

Shree Shivkrupanand Swami

Founder

Gurutattva



❁ करोना काल ❁  
(का विशेष संदेश)

9-5-2021  
रविवार

सभी पुण्यआत्माओं को भेष नमस्कार — — —  
आप सभी को  
यह "करोना काल" प्रारंभ होने समय ही कहाँ था—  
की गुरुशक्तियाँ उन्ही साधकों के साथ होती हैं—  
जो "नियमों का पालन" करते हैं,  
आप राँग साइड से गाड़ी चलायेंगे और सौयोग  
की गुरुशक्तियाँ मेरे साथ हैं, सामुहिकता की  
शक्ति मेरे साथ हैं, मेरा कभी राकसीडेंटर नहीं  
हो सकता तो यह आपकी गलत धारणा है,  
सामुहिकता की शक्ति का "सुरक्षा कवच" केवल  
उन्ही साधकों मिलता है, जो द्राफ्ट नियमों  
पालन कर के गाड़ी चलायेंगे वीलकुल  
ठिक रोसा ही करोना वायरस की महामारी

Gujarat Samarpan Ashram

Mahudi Village, Anodiya, Gujarat - 382855

Office: +91 9898011555

Email: support@gurutattva.org

Office address: Guru Tattva Bhavan, Shivaji Park, Street No. 4/8, Near Income Tax Society, Raiya Road, Rajkot - 360005



का भी है। आपको सामुहिक शक्ती का "सुरक्षा कवच" सभी पालन हो सकता है, जब आप "नियमों" का पालन करोगे

- (1) मार्क पहनो
- (2) 6 फीट का अंतर रखो
- (3) साबुन से हाथ धोओ

"वे करानेशन -  
अवश्य कराये  
वह एक सुरक्षा-  
कवच है।"

इसके साथ "नियमीन ध्यान" करके के अपना-  
"आत्मा मंडल" स्वच्छ रखने की आवश्यकता है  
यह नियम पालने के सभी साधक सुरक्षित हैं,  
लेकिन कुछ साधक आज "अस्पतालों" में  
भर्ती हैं, और पुछते रहते हैं "अब क्या"  
करें? जी अस्पतालों में भर्ती हैं, वे ध्यान  
नो करने की स्थिति में ही नहीं हैं,  
वे अब वो ही काम करें पहला की-  
अपना संपूर्ण समर्पण गुरुशक्तीयों को-  
"संपूर्ण विश्वास" से करें की मंडीक होकर



शिघ्र ही घर जाने ही वाला है, यह सोच  
सदैव रखना ही होगी दूसरा वहीं अस्पताल  
में पड़े पड़े "गुरुमंत्र" का आप करने रहे  
इससे आप एक सामुहिक शक्ति के साथ-  
जुड़ोगे आप बिमार हैं, लोखी साधकों-  
साथ हैं, आपको उनकी सकारात्मक उर्जा  
प्राप्त होगी और "आप शिघ्र अच्छे हो  
जाओगे यह मेरा पुरा विश्वास है -"  
अब जो बिमार के घर के लोग हैं, वे-  
सदैव यह विचार रहे कि यह शिघ्र-  
ठिक होकर घर आयेगी ही भले ही वे-  
वैज्यलैररी पर कुर्यां न हो "कई साधक-  
वैज्यलैररी से भी उठकर घर लवध  
होकर आये है," आप जैसा विचार करोगे  
उस का प्रभाव मरीज पर पडता - है -



रीज सबेर ध्यान करने समय राक लोटा पानी  
सुख शरीर के कोले के सामने रखो और आप  
मरीज को स्वस्थ होने की "प्रार्थना" करो और -  
संपूर्ण विश्वास वह पानी मरीज को पीने को-  
दे। प्रार्थना में बड़ी शक्ति होती है, मनुष्य  
के शरीर में 70% पानी ही है;

गुरुशक्तियों का ध्यान भी सर्वे साधकों पर  
होना ही है, साधकों का "विश्वास" पर ही-  
सर्व कुछ निर्भर है, "परमात्मा का दूसरा नाम  
विश्वास ही है;"

आज हमारी शाही की सालगिरह पर मैं  
आपें शुरुआत होने मिलकर ध्यान कर आपें  
स्वास्थ्य लाभ के लिये "प्रार्थना" कर रहे हूँ,  
आप सब "विश्वास रखें आप स्वस्थ लोगो-  
ही"

आप सभी को शुभ शुभ आशीर्वाद

आपका अपना  
शिवानन्द